GENERAL STUDIES (Test–1)

Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–GSM (P-III)-2301

Maximum Marks:250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number: _____**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 30.07.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*: _____**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

(To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3	11.	4.5
2.	5	12.	6.5
3.	5	13.	5
4.	5	14.	5
5.	4.5	15.	4
6.	4.5	16.	5
7.	4	17.	5.5
8.	4.5	18.	5
9.	4.5	19.	6
10.	5	20.	5.5
Grand Total	97 / 250		

FL 211

Evaluator (Signature)

.

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

↳ विषयवस्तु पक्ष ठीक है, वहीं और बेहतर बनायें

↳ उत्तरों में विविध पक्षों को शामिल करें।

↳ भूमिका प्रश्न से तर्कसंगत लिखें।

↳ निरंतर अभ्यास लेखन से आप जरूर बेहतर करेंगे।

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

GSM-(PIII)-2301

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

① हड़प्पा सभ्यता का नगरीय स्वरूप क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक कारकों के क्रमिक विकास का परिणाम था। चर्चा कीजिये।

हड़प्पा सभ्यता भारत के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में पाकिस्तान तक 2500-1600 ईसा पूर्व तक फैली हुई सभ्यता थी जिसे प्रथम नगरीकृत सभ्यता माना जाता है।

नगरीय स्वरूप के कारक
- ग्रिड आधारित नगर विकास व्यवस्था
- उन्नत जल निकासी व्यवस्था
- घर के दरवाजे सड़क की ओर खुलते थे
- अनेक डिमॉजिला घर मिले हैं
- अन्य देशों से व्यापार उदा. मुहरों की प्राप्ति

हड़प्पा सभ्यता : सामाजिक-आर्थिक कारकों का परिणाम

1. हड़प्पा सभ्यता के निवासियों में सभी तरह के कार्य करने वाले व्यक्ति थे यथा- व्यापारी, किसान आदि जिससे स्तरीकृत व्यवस्था प्रारम्भ हुई।

2. निवासियों के मध्य आर्थिक आधार पर विभेद पाया जाता था एवं उच्चतर व निम्नतर लोग भिन्न-भिन्न आवासीय प्रदेशों में रहते थे। उदा. दुर्ग की उपस्थिति

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. स्नानागारों की उपस्थिति - सभी लोग किसी सांस्कृतिक उत्सव अथवा सामाजिक एकत्रण के दौरान एक ही जगह स्नान किया करते थे।

4. अन्नागारों की उपस्थिति - हड़प्पा के लगभग सभी घरों में अन्नागार पाये गये हैं जिसका अर्थ यह है कि हड़प्पा निवासियों के पास अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन होता था जिससे वे लोग व्यवसायी क्रियाओं में एवं आगे निर्यात करते थे।

5. डांसिंग गर्ल एवं पशुपति की सील - डांसिंग गर्ल मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक कलाकृति है जिसे लोस्ट वैक्स तकनीक द्वारा बनाया गया है जो हड़प्पाई लोगों की शिल्पकला का प्रतीक है।

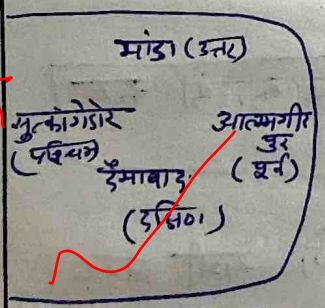

↳ प्रश्न की मांग अलग है

चित्र: हड़प्पा का क्षेत्रीय विस्तार

अत: हड़प्पा सभ्यता हालांकि 4000 वर्ष पुरानी सभ्यता थी किन्तु यह एक नगरीकृत सभ्यता थी जिसे हाल के अनेक उत्खननों द्वारा भी प्रमाणित किया जाता रहा है।

↳ तीन चरणीय सभ्यता तथा उसका क्रमिक विकास बताना था।

मॉडल उत्तर देखें

3/10

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. नई महाशक्तियों के उदय और यूरोपीय उपनिवेशवाद के पतन सहित वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

उ० द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) वैश्विक हिंसा का द्वितीय संस्करण था जिसमें धुरी राष्ट्र बनाम ब्रिटेन-अमेरिका-रूस ने भाग लिया था।

द्वितीय विश्व युद्ध का वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव

1. संयुक्त राष्ट्र का गठन - भविष्य में दुनिया को किसी अन्य युद्ध की त्रासदी ना झेलनी पड़े इसलिए 1945 में UN का गठन किया गया।

2. शीत युद्ध का आरम्भ - अमेरिका एवं USSR के मध्य शीत युद्ध जो USSR के विघटन के बाद 1991 में समाप्त हुआ। NAM की स्थापना

3. विश्व का ध्रुवीकरण - 1945-1991 तक शीत युद्ध के पश्चात् अमेरिका एकमात्र वैश्विक शक्ति बनकर उभरा।

4. जर्मनी व ब्रिटेन का महत्व कम - द्वितीय विश्व युद्ध के प्रारम्भ होने तक जर्मनी व ब्रिटेन विश्व की शक्तियाँ थे किन्तु जर्मनी की हार व ब्रिटेन की शक्ति कम होने लगी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

नई महाशक्तियों का उदय

1. अमेरिका का उदय - 1945 में जापान पर आक्रमण के उद्देश्य से ओपनहाइमर ने परमाणु बम बनाये जिससे विश्व में अमेरिका की शक्ति अत्यधिक बढ़ गयी।

2. USSR का उदय - लगभग 15 स्वतंत्र राष्ट्र (USSR के विघटन के पश्चात) USSR के खेमे में थे जो अमेरिका को सीधी टक्कर दे रहा था।

3. भारत व चीन - एशिया में दो महाशक्तियाँ चीन व भारत उदय हुई किन्तु दोनों में राजनैतिक आधार पर विभिन्नताएँ थी।

5/10

यूरोपीय उपनिवेशवाद का पतन

1. ब्रिटेन द्वारा भारत से हाथ खींचना - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं WW II का नतीजा था कि ब्रिटेन से भारत को स्वतंत्रता मिली

2. उपनिवेशवाद को रोकने के लिए UN जैसी संस्था बनायी गयी।

अच्छा प्रयास है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत की आजादी हुई एवं भारत इंडिया की एक मजबूत विकासशील शक्ति के रूप में उभरा।

write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. वर्ष 1858 के पश्चात् भारत के संवैधानिक इतिहास में कई उल्लेखनीय विकास हुए, जिससे समाज और राजनीति में महत्वपूर्ण और स्थायी परिवर्तन हुए। टिप्पणी करो।

उ॰ 1857 की क्रांति ने अंग्रेजों की नींव कमजोर कर दी थी जिसका प्रभाव दिल्ली (बहादुर शाह जफर), बिहार (कुँवर सिंह) एवं झांसी (रानी लक्ष्मीबाई) तक था। 1858 के बाद अंग्रेजी सरकार द्वारा अनेक संवैधानिक परिवर्तन किये गये।

(1) 1858 के अधि॰ द्वारा सम्पूर्ण शक्ति ब्रिटेन की महारानी के हाथों में आ गयी एवं EIC केवल प्रशासनिक शक्ति रह गयी।

(2) 1861 का शासन अधि॰ -
- वायसराय की विधायी परिषद में 3 नॉन-ऑफिशीयल भारतीय सदस्य मनोनीत किए गए।
- वायसराय को अध्यादेश देने की शक्ति
- विकेन्द्रीकरण की शुरुआत

(3) 1892 का शासन अधि॰ -
- वायसराय की विधायी परिषद में सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गयी
- भारतीय सदस्यों को प्रश्न पूछने की अनुमति किन्तु पूरक प्रश्न की अनुमति नहीं
- बजट पर कुछ हिस्सों पर सीमित बहस

(4) 1909 के मार्ले मिन्टो सुधार -

- वायसराय की कार्यकारी परिषद में प्रथम बार किसी भारतीय (सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा) को स्थान
- विधायी परिषद में सदस्यों की संख्या में वृद्धि
- मुस्लिमों को पृथक निर्वाचन की व्यवस्था, बाँटो और राज करो

(5) 1919 के मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार -

- दलित, ईसाई, सिख इत्यादि के लिए भी पृथक निर्वाचन की व्यवस्था
- प्रोविन्स में द्वैध शासन - वायसराय के पास वैध शक्तियां किन्तु हस्तांतरित शक्तियां विधायी परिषद के पास

5/10

(6) 1935 का शासन अधिनियम -

- RBI की स्थापना - बैंकिंग व्यवस्था में सुधार
- UPSC & PSC की स्थापना - भारतीयों के लिए राज्यों में सिविल सेवा
- केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना

(7) 1947 का अधि. - भारत की स्वतंत्रता

अंग्रेजों का उद्देश्य भिन्न रहा किन्तु इन अधिनियमों ने व्यापक स्तर पर भारत के समाज व राजनीति को प्रभावित किया।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्र. उपयुक्त उदाहरणों के साथ मंदिर स्थापत्य की नागर व द्रविड़ शैली के बीच प्रमुख अंतरों पर चर्चा कीजिए।

उ. मंदिरों का निर्माण आदिकाल से ही देवताओं के स्थान के रूप में किया जाता रहा है किन्तु समयान्तराल में इसे राजा की शक्ति से जोड़कर देखा गया। गुप्त काल से भारत में नागर शैली की शुरुआत मानी जाती है।

नागर शैली

1. यह भारत के उत्तरी भाग मुख्यत: अवध, मगध तक विस्तृत थी।

2. मंदिर के अंग -
   1. गर्भगृह
   2. शिखर
   3. अमालक
   4. कलश
   5. मंडप
   6. परिक्रमा पथ

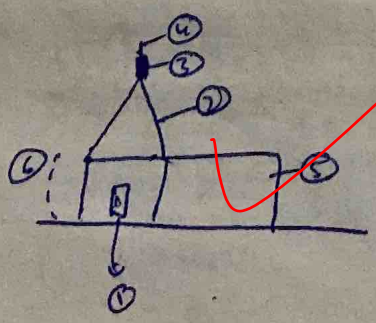

द्रविड़ शैली

1. यह भारत के दक्षिणी हिस्से में चोल साम्राज्य तक विस्तृत थी।

2. गर्भगृह
   विमान
   अमालक
   कलश
   अन्तराल, मंडप
   परिक्रमण पथ

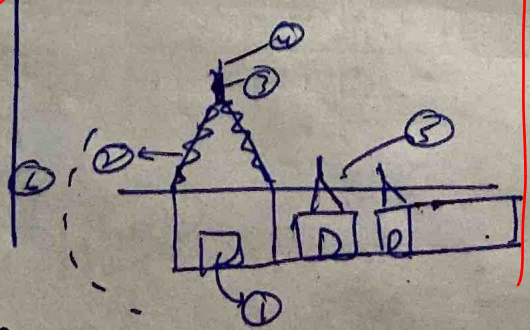

भारत में मंदिर शैली

Good

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. सामान्यतः पृथ्वी से ऊँचे बनाए किसी चबूतरे पर स्थित
उदा० - देवगढ़ का दशावतार मंदिर

4. सामान्यतः एक शिखर

5. मंदिर के चारों ओर किसी जल निकाय की अनुपस्थिति

6. तोरण द्वार पर नदी का परिदृश्य

7. छोटे

3. सामान्यतः पृथ्वी के समान्तर ही बनाये जाते हैं।
उदा० वृहदेश्वर मंदिर

4. मंदिर परिसर में छोटे मंदिरों पर भी विमान

5. मंदिर परिसर में सामान्यतः जल निकास पाया जाता है

6. तोरण द्वार पर द्वारपालों की उपस्थिति (सांकेतिक)

7. विशाल → गोपुरम अलंकृत प्रवेश द्वार

5/10

अतः मंदिर निर्माण कला उत्तर व दक्षिण भारत में प्रचलित थी जिससे भारतीय इतिहास की सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राजनीतिक विरासत का दृष्टेय उल्लेख पता चलता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

5. वाताग्रजनन व वाताग्रविनाश की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

उ. एक विस्तृत क्षेत्र में फैली एवं समांगी जलवायु धारण किए हुए वायु के भार को वायुराशि कहते हैं। दो भिन्न प्रकार की वायुराशियों के आपस में मिलने से वाताग्र का निर्माण होता है इसे वाताग्रजनन कहते हैं। इसके नष्ट होने की प्रक्रिया को वाताग्रविनाश कहते हैं।

वाताग्रजनन

1. दो वायुराशियाँ एक दूसरी की ओर आती हैं।

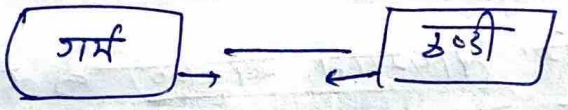

वायुराशियों का अभिसरण

2. दोनों वायुराशियों के मिलने पर तापमान स्थानान्तरण होता है।

3. यदि गर्म वायुराशि अधिक प्रभावी है तो गर्म वाताग्र (उष्ण) एवं ठण्डी वायुराशि के प्रभावी होने से शीत वाताग्र का निर्माण होता है।

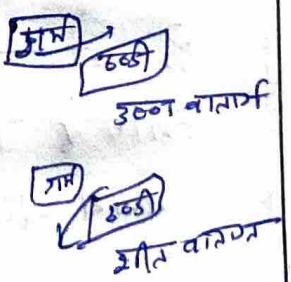

समशीतोष्ण चक्रवात

4. ठण्डी वायुराशि भारी होने के कारण नीचे विस्थापित होती है एवं गर्म वायुराशि ऊपर की ओर संवहित होती है।

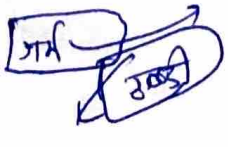

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. इस तरह शीत अथवा उष्ण वाताग्र का निर्माण होता है।

वाताग्र विनाश

1. वाताग्र निर्माण के बाद ठण्डी वायुराशि जब पूर्णतः निम्न स्तर पर स्थापित हो जाती है एवं उष्ण वायुराशि जमीन से ऊपर उठती है।

→ वायुराशि का अपसरण

2. इस तरह धीरे-धीरे अधिविष्ट वाताग्र का निर्माण होता है।
3. शीत वायुराशि धरातलीय निकटता पर स्थापित होती है एवं उष्ण वायुराशि पूर्णरूपेण इसके ऊपर।

4.5/10

4. धीरे-धीरे तापमान संचरण के कारण तापमान संतुलन स्थापित होता है एवं दोनों वाताग्र समाप्त होने लगते हैं।
5. वाताग्र विनाश

वाताग्र जनन एवं वाताग्र विनाश दो चक्रीय प्रक्रियाएँ हैं जिनका प्रभाव व्यापक होता है। ये विभिन्न क्षेत्रों की जलवायवीय दशाओं में परिवर्तन लाते हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q. 'भूकम्प की तीव्रता और उसके परिमाण का मापन एक जटिल और परिष्कृत प्रक्रिया है जिसके लिए भूकम्प विज्ञान और उन्नत प्रौद्योगिकी की गहरी समझ भी आवश्यक होती है।' इस सम्बन्ध में भूकम्प की तीव्रता को मापने की विधि पर चर्चा कीजिए और भारत के भूकम्पीय क्षेत्र पर प्रकाश डालिए।

Ans

भूपर्पटी पर होने वाले कम्पनों को भूकम्प की संज्ञा दी जाती है। सर्वाधिक भूकम्प परि-प्रशान्त पेटी (लगभग 70%) में आते हैं। इसके प्रमुख कारणों में प्लेट विवर्तनिकी एवं मानवीय कारक शामिल हैं।

भूकम्प के मापन की विधियां

1. रिक्टर स्केल पर - भूकम्प के परिमाण को मापने के लिए
   - भूकम्प से होने वाले विनाश का पता लगाना → ऊर्जा को मापता है
   - सामान्यत: 5 के पैमाने पर आया भूकम्प खतरनाक समझा जाता है
     उदा. - टर्की, सीरिया का भूकम्प
   - 1-10 तक पैमाने

2. मर्केली स्केल -
   - भूकम्प की तीव्रता का मापन
   - 0-12 पैमाने पर गणना
   - रिक्टर स्केल की तुलना में कम उपयोग

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

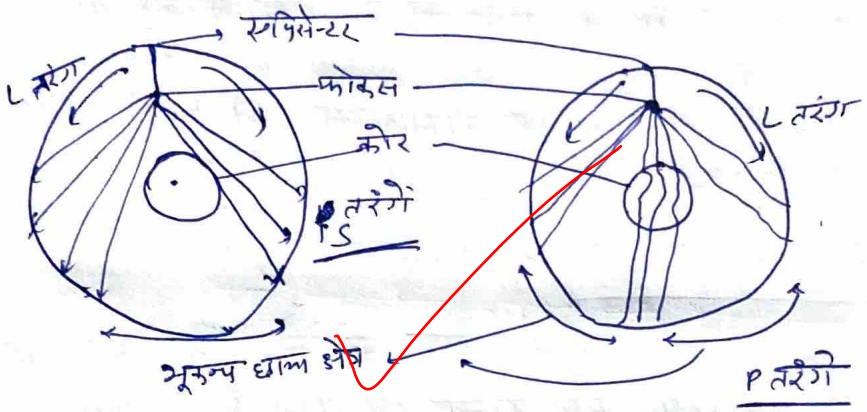

- सर्वप्रथम जिस जगह से भूकम्प उत्पन्न होता है उसे फोकस कहते हैं। पृथ्वी का वह भाग जहाँ भूकम्प अनुभव किया जाता है उसे एपिसेन्टर कहते हैं।
- P तरंगें व S तरंगे सर्वप्रथम निकलती हैं एवं L तरंगें P व S तरंगों की चट्टानों के साथ अनुक्रिया का परिणाम है।

4.5/10

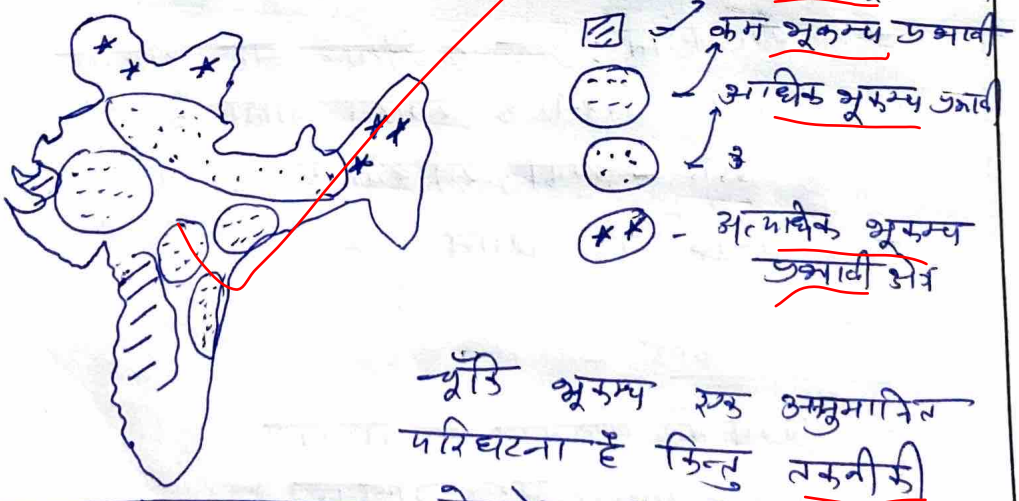

चित्र: भारत मे भूकम्प क्षेत्र

चूँकि भूकम्प एक अनुमानित परिघटना है किन्तु तकनीकी प्रेक्षणों एवं जाँच द्वारा कुछ सीमा तक पता लगाना सम्भव है जिससे जान-माल एवं बुनियादी ढाँचे का विनाश रोका जा सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

7. वैश्वीकरण, इसकी व्यापक पहुँच और सर्वव्यापी प्रभाव के साथ, लोक संस्कृति के समृद्ध चित्रपट को समाहित करने तथा नष्ट करने की क्षमता रखता है। परीक्षण कीजिये।

उ वैश्वीकरण से आशय विश्व की सभी संस्कृतियों एवं समाज तक पहुँच है जिसे भारतीय परिदृश्य में 1991 के बाद अत्याधिक देखा गया है। → सटीक परिभाषा दे।

लोक संस्कृति को समाहित करने में वैश्वीकरण :-

1. संस्कृति का विस्तार - वैश्वीकरण के प्रभाव स्वरूप संस्कृतियों का पारगमन एक देश की सीमाओं से अन्य देशों तक संभव हो पाया है। जैसे - यू-ट्यूब के माध्यम से हॉलीवुड/बॉलीवुड फिल्मों का प्रसार

2. संस्कृति का संरक्षण - वैश्वीकरण ने अल्प-संख्यक संस्कृति एवं समाप्ति के कगार पर संस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास किया है।
जैसे - भारत में योग का अब वैश्विक प्रसार हो चुका है।

3. संस्कृति का प्रोत्साहन - वैश्विक लोग अब संस्कृतियों को प्रोत्साहित एवं जीवन में उपयोग करते हैं।
जैसे - चाइनीज खाने का भारत में प्रयोग

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

लोक संस्कृति को नष्ट करने में वैश्वीकरण

1. अल्पसंख्यक संस्कृति का अलगाव - जहाँ एक ओर हॉलीवुड एवं अमेरिकी पाश्चात्य पहनावा फल-फूल रहा है वहीं दूसरी ओर स्थानीय भाषा एवं पहनावा नष्ट हो रहा है।
उदा - भारत से खादी के वस्त्र

2. संस्कृतियों का सम्मिश्रण - विकासशील व अविकसित देशों की संस्कृतियां विकसित देशों की संस्कृति में मिश्रित होती जा रही है जिससे स्थानीय संस्कृति पर खतरा बढ़ा है।
जैसे - भारतीय म्यूजिक में हिप-हॉप व रैप का समावेश

↳ लोक संस्कृति का वस्तुकरण

3. लोक संस्कृति नष्ट होना - वैश्वीकरण के प्रभाव ने अनेक लोक संस्कृतियों को नष्ट करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।
जैसे - भारतीय मूल्यों का ह्रास
- संयुक्त परिवारों का एकल परिवारों में परिवर्तन

4/10

→ कुछ सकारात्मक पक्ष बताएँ

वैश्वीकरण के विरुद्ध बात करना, गुरुत्व के नियमों के विरुद्ध बात करने जैसा है - कोफी अन्नान
अतः वैश्वीकरण के साथ-साथ लोक संस्कृति बचाव के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास अपेक्षित है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

8. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सुभाषचंद्र बोस तथा उनके द्वारा गठित आजाद हिन्द फौज की भूमिका और महत्व का विश्लेषण कीजिए।

उ.

सुभाष चन्द्र बोस, भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के अग्रणी नेताओं में से थे। उनकी आजाद हिंद फौज ने भारतीयों को सैन्य रूप से संगठित करने में योगदान दिया।

भूमिका →

1. कांग्रेस की अध्यक्षता - हरिपुरा व त्रिपुरी में सुभाष चन्द्र बोस ने कांग्रेस की अध्यक्षता की किन्तु गांधीजी से मतभेद के कारण त्यागपत्र दे दिया।

2. बोस WW II के दौरान साथी क्रान्तिकारियों के साथ मिलकर क्रांतिकारी गतिविधियां चला रहे थे — हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोशियेसन। ?

↳ अंतरिम सरकार का गठन

3. आजाद हिन्द फौज (INA) द्वारा भारतीय सैनिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

↳ बर्लिन रेडियो

4. INA में पृथक ब्रिगेडों की स्थापना - गाँधी ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड, सुभाष ब्रिगेड आदि

5. महिलाओं को भी उचित प्रतिनिधित्व एवं लड़ने के लिए तैयार किया गया एवं रानी झांसी ब्रिगेड का निर्माण किया गया।

महत्व –

1. सुभाष चन्द्र बोस की स्वयं के आदर्शों व दर्शनों का स्वतंत्रता आन्दोलन पर योगदान पड़ा
2. अपनी विचार विभिन्नता होते हुए भी गाँधीजी का सम्मान
3. आजाद हिन्द फौज ने महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित किया
4. भारत की स्वतंत्रता के लिए विदेशी सहयोग की आवश्यकता – जर्मनी से सहयोग
5. जापान के सहयोग से समानान्तर सरकार की स्थापना

4.5/10

अतः सुभाष चन्द्र बोस एवं उनकी आजाद हिन्द फौज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए अविस्मरणीय कार्य किया जिस कारण उन्हे आज भी विस्मृत नहीं किया गया है एवं भारतीय सेना में भी महिलाओं को समान स्थायी आदेश प्रदान किया गया है।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q. "सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में सोशल मीडिया की भूमिका पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।" चर्चा करें।

Ans. भारत में सोशल मीडिया के लगभग 150 मिलियन उपभोक्ता हैं जिनमें से अधिकतम भारत का जनांकिकीय लाभांश है (15-64 वर्ष)। सोशल मीडिया अपने सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव दिखा रहा है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में सोशल मीडिया की भूमिका –

1. **सोशल मीडिया ग्रुप** – सोशल मीडिया पर विभिन्न लोग ग्रुप बनाकर अपनी सांप्रदायिक अवधारणाओं को प्रेषित करने एवं दबाव बनाने का प्रयास करते हैं।

2. **हेट स्पीच** – सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग हेट स्पीच फैलाने के लिए किया जा रहा है जिससे अन्य धर्म, समुदाय के प्रति घृणा व द्वेष फैल रहा है।
उदा. – दिल्ली दंगे

3. **महिलाओं एवं बच्चों के प्रति अपराध** – महिलाओं की साइबर स्टॉकिंग एवं साइबर बुलिंग एवं चाइल्ड पोर्नोग्राफी को विशेष समुदाय से जोड़ने का प्रचार किया जाता है जो सांप्रदायिकता को बढ़ावा देती है।
उदा. – हाल की मणिपुर घटना

write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. भड़काऊ बयान का प्रसार - अन्य सम्प्रदाय के प्रति भड़काऊ बयान देने वाले को हीरो बनाने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही है।

5 डीप फेक
5 पड़ोसी देशों द्वारा दुरुपयोग

समाधान :-

- → सोशल मीडिया की नेटवर्कों से हिंसात्मक सामग्री के प्रचार पर रोक के लिए सहयोग
- → सोशल मीडिया पर केवल सत्य खातों को ही प्रवेश दिया जाये जैसे - आधार कार्ड से लिंक (KYC)
- → सामुदायिक बंधुत्व बढ़ाने वाले ग्रुप व संदेशों का प्रचार उदा. - धार्मिक गुरुओं द्वारा
- → हेट स्पीच पर पकड़ एवं उचित दण्ड का प्रावधान

4.5/10

सरकार द्वारा किये गये प्रयास :-

- संदेश की उत्पत्ति वाले व्यक्ति की पहचान करने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क पर दबाव
- IT अधि. 2000
- साइबर स्वच्छता केन्द्र
- एकीकृत साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (I4C)

चूँकि सोशल मीडिया आज की वास्तविकता है अतः विभिन्न हितधारकों को साथ मिलकर सोशल मीडिया के नियमन की जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी ताकि साम्प्रदायिक सद्भावना फैल सके।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

10 — क्या आपको लगता है कि भारत में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित किया जाना चाहिये। अपने उत्तर के समर्थन में तार्किक कारण दीजिये।

उ० वैवाहिक बलात्कार से आशय विवाह उपरान्त पति-पत्नी की अनिच्छा के बावजूद शारीरिक सम्बन्ध बनाने से है। भारत में अभी वैवाहिक बलात्कार पर कोई कानून नहीं है किन्तु समय-समय पर इसे अपराध घोषित करने के पक्ष में आवाज उठती है।

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित कर देना चाहिए क्योंकि :

1. शादी की अनुमति देने का आशय यह है नहीं है कि जीवन भर के लिए लैंगिक सम्बन्ध बनाने का अधिकार मिल गया हो।
2. शादी के उपरान्त भी पति या पत्नी के शरीर पर स्वयं का ही अधिकार रहता है। → महिलाओं का मूल अधिकार
3. महिलाओं के प्रति हिंसा कम होगी।
4. महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहन एवं पितृसत्तात्मक समाज की सोच में परिवर्तन
5. पाम राजपूत समिति द्वारा अपराध घोषित करने की सिफारिश
6. वैश्विक उदाहरण जैसे - USA, UK में अपराध

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

5/10

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित नहीं करना चाहिए क्योंकि -

1. इससे विवाह नामक संस्था की अस्थिरता हो जाएगी। भारत में विवाह केवल लिखित समझौता नहीं है अपितु यह एक पाक रिश्ता माना जाता है।
2. निर्धारण में समस्या - सम्पूर्ण मामला गवाही पर निर्भर
3. दुरुपयोग संभव - जैसे - ~~दहेज निरोध आदि०~~ का दुरुपयोग किया जा रहा है।
4. विधि आयोग द्वारा अनुशंसा नहीं की गयी है अर्थात् विधि आयोग अपराध घोषित करने के पक्ष में नहीं है।
5. अदालतों पर बेवजह भार - अदालतों में पहले से ही ~~5~~ करोड़ मामले पेंडिंग

कानून निर्माण के बाद कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कानून को सामाजिक स्वीकृति मिली या नहीं अतः वैवाहिक बलात्कार के विरुद्ध लोगों में चेतना का प्रसार एवं शिक्षित करने की आवश्यकता है।

(11) ओशन मेमोरी लॉस क्या है? इसके परिणामों की व्याख्या एवं चर्चा कीजिये।

उ.

'ओशन मेमोरी लॉस' एक अवधारणा है जिसका अर्थ समुद्र के पाए जाने वाले संसाधनों, खनिजों, ऊर्जा आदि के बारे में सूचनाओं का नष्ट होना है। ओशन मेमोरी लॉस से पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। इसके अनेक कारण है।

भूमिका में सुधार अपेक्षित है। → समुद्र की ऊपरी मिश्रित परत के तापमान से संबंधित

ओशन मेमोरी लॉस के कारण —

1. **अत्यधिक निष्कर्षण** — मानव की विकासीय गतिविधियों के कारण मानव समुद्रों मे अत्यधिक खनन प्रक्रिया कर रहा है जिसका अर्थ यह है कि खनिजों की मात्रा कम होती जा रही है एवं संसाधन ह्रास हो रहा है।

2. **सुपोषण** - सुपोषण के कारण रासायनिक पदार्थ समुद्र मे फैल रहे है अतः समुद्री जीवों का विनाश हो रहा है।

रसायन → समुद्र मे रिसाव → शैवाल की संख्या में वृद्धि
↓
जैविक ऑक्सीजन मांग (BOD) में वृद्धि → घुलित ऑक्सीजन (DO) में कमी → जीवों एवं पौधों की मृत्यु

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. जलीय परिवहन – जलीय परिवहन में तकनीकी प्रयोगों द्वारा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश किया जा रहा है जिसे मेमोरी लॉस देखने को मिलता है।

4. प्राकृतिक गतिविधियां – समुद्री सुनामी, ज्वालामुखी प्रक्रिया एवं उल्कापिण्डों के गिरने से समुद्र में उथल-पुंथल होती है जिस कारण पारिस्थितिकी परिवर्तन होता है एवं मेमोरी लॉस भी होता है।

5. खनन – मानव द्वारा खनन गतिविधियों से अत्यधिक हानि हुई है।

मेमोरी लॉस के परिणाम

1. पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश
जैसे – एल्गी का विनाश, ज्वाल विरंजन आदि

2. खनिजों की मात्रा में कमी
जैसे – Cu, Na आदि

3. समुद्र में तेलीय रिसाव – तेल परिवहनकर्ता जहाजों द्वारा समुद्र में तेल रिसाव

4. ऊर्जा ह्रास – समुद्री पवन ऊर्जा एवं ज्वारीय ऊर्जा की मात्रा में कमी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions In NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. जलीय प्रदूषण - जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा में कमी एवं BOD व COD की मात्रा में वृद्धि

↳ मॉडल उत्तर देखें।

↳ मॉडल प्रणाली की भविष्यवाणी मुश्किल

6. वैश्विक व अन्तर्क्षेत्रीय सम्बन्धों का ह्रास -
- लोगों द्वारा अपनी सीमाएँ पार करना एवं अन्य देशों में प्रवेश
- अन्तर्क्षेत्रीय सम्बन्धों का ह्रास

अतः ओशन गवर्नेंस एक व्यापक अवधारणा है जिसे कम करने के लिए अन्तर्क्षेत्रीय स्तर पर विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

4.5/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

12

असहयोग आंदोलन एक महान और उत्कृष्ट प्रयास था, जिसने भारत के स्वतंत्रतासंघर्ष के इतिहास में एक क्रांतिकारी परिवर्तन को इंगित कीजिये। कथन के आधार पर असहयोग आंदोलन के कारण तथा इसकी विफलता और बाधाओं को स्पष्ट कीजिये।

असहयोग आन्दोलन भारत में व्यापक तौर पर गाँधीजी द्वारा चलाया गया आन्दोलन था जिसने लोगों को अहिंसा जैसे तत्वों से परिचित कराया। गाँधी का देश के स्तर पर यह पहला आन्दोलन था।

असहयोग आन्दोलन द्वारा क्रांतिकारी परिवर्तन

- लोगों को अहिंसा नामक तत्व के बारे में जानकारी हुई
- हिन्दु मुस्लिम एकता देखने को मिली
- भविष्य के आन्दोलनों के लिए नींव का पत्थर बना
- सम्पूर्ण देश में एकता की भावना का प्रसार
- निचले व उपर सभी स्तर, महिला व बच्चों, किसानों व सैनिकों की हिस्सेदारी स्थापित हुई

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

असहयोग आन्दोलन के कारण

① प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम -
- ब्रिटिश खेमे की जीत
- तुर्की खेमा (जर्मनी) की हार

② मुस्लिम खलीफा का पद समाप्त करना -
- मुस्लिमों द्वारा WW I में ब्रिटिश लोगों का साथ - ताकि हार के बाद भी खलीफा का पद बना रहे
- ब्रिटेन द्वारा खलीफा का पद समाप्त
- मुस्लिम लोगों में अविश्वास अतः खिलाफत आन्दोलन की शुरुआत

③ खिलाफत + असहयोग आन्दोलन -
- हिन्दू व मुस्लिम एकता दिखाने के लिए
- ऑल इंडिया खिलाफत समिति की स्थापना
- सभी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रयास आरम्भ कर दिये।

④ लोगों में ब्रिटिश राज के प्रति अविश्वास -
- लोगों में ब्रिटेन के प्रति सन्देह की भावना
- भारतीय संस्कृति में हस्तक्षेप

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

असहयोग आन्दोलन की विफलता एवं कारण

1. सभी के पृथक उद्देश्य –

मुस्लिम – खलीफा की सत्ता पुनः स्थापित करने के लिए

हिन्दु – हिन्दु संस्कृति में हस्तक्षेप के विरुद्ध

2. मुस्लिम उद्देश्य समाप्त –

– मुस्तफा कमाल अतातुर्क द्वारा लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना

3. समय के साथ तीव्रता कम
4. व्यापक स्तर पर सहयोग प्राप्त नहीं
5. सीमित क्षेत्र – उत्तर भारत तक सीमित
6. चौरी-चौरा कांड – उग्र भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों की हत्या एवं पुलिस थाने को जला दिया गया → गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया।

6.5/15

असहयोग आन्दोलन भविष्य के लिए नींव तैयार कर रहा था जिस पर नागरिक अवज्ञा एवं भारत छोड़ो जैसे आन्दोलन उपजने थे।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(13) 20 वीं सदी के पहले दशक में देश में राजनीतिक निर्वात को भरने के लिए क्रांतिकारी समूहों के उदय का वातावरण तैयार था। टिप्पणी कीजिये।

36

1885 में कांग्रेस की स्थापना के बाद से ही कांग्रेस में पहले उदारवादी लोगों का प्रभुत्व था जैसे - व्योमेश चंद्र बनर्जी, दादाभाई नौरोजी आदि किन्तु समयान्तराल में कुछ एक्सट्रीमिस्ट ग्रुप के सदस्य भी सामने आने लगे जिन्हें उदारवादियों के तरीकों (प्रार्थना, पत्र) पर विश्वास नहीं था।

① कांग्रेस का प्रारम्भिक काल -
- उदारवादी समूह में एवं उग्रवादी समूहों में मतभेद - आपसी टकराव → सूरत विभाजन
↓
लोगों में अविश्वास

② गाँधी का आगमन -
गाँधी द्वारा अहिंसा व सत्य का प्रयोग → लोगों द्वारा तुरन्त आजादी की आशा
↓
लोगों की आशा विफल

(3) अंग्रेजों द्वारा अत्याधिक शोषण -

- स्वतंत्रता सेनानियों को जेल भेजना
- लाला लाजपत राय की मृत्यु - लाठीचार्ज के दौरान

(4) नवीन क्रांतिकारी विचारों का उदय -

- भगतसिंह, अशफाक उल्लाह खान, बिस्मिल, सुभाष चन्द्र बोस आदि

(5) लोगों की स्वतंत्रता के प्रति बढ़ती आशा -

- लोगों को तुरन्त स्वतंत्रता चाहिए थी क्योंकि वे अत्याधिक शोषित थे।

→ बंगाल विभाजन
→ अंतर्राष्ट्रीय क्रांतिकारी आंदोलन का प्रभाव - रूस, आयरलैंड

उत्तर को 19वीं शताब्दी के प्रथम दशक तक रखें

विभिन्न क्रांतिकारी समूह -

1. अनुशीलन समिति -
   - प्रमोथ मित्रा, जतिन्द्रनाथ बनर्जी
2. गदर समूह - अमेरिका में
   - लाला हरदयाल, सोहन सिंह भखना
3. HSRA - भगतसिंह, सुभाष चन्द्र बोस
4. सूर्य सेन, कल्पना दत्त, राजेन्द्र लाहिड़ी आदि द्वारा चिटगांग सैन्य-शाला में रेड करना

1920-30

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अतः यह स्पष्ट है कि लोगों द्वारा अविश्वास एवं अंग्रेजों की रणनीतियों ने क्रांतिकारी एवं गर्म-युवा जोश को ऐसे समूह बनाने के लिए प्रेरित किया।

5/15

↳ उत्तर को प्रश्नानुसार लिखें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

15 "ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों ने भारत की आर्थिक संरचना को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।" विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिये।

ब्रिटिश लोगों ने लगभग 200 वर्ष तक भारत पर राज किया जिसका प्रभाव भारत की संस्कृति, भौगोलिक विविधता से लेकर राजनीति में भी देखने को मिला है।

भूमिका प्रश्न से तर्कसंगत लिखें।

ब्रिटेन के औपनिवेशिक हित –

1. भारत में कच्चा माल – कपास, मसाले, खाद्यान्न आदि
2. भारत के समुद्री संसाधन
3. भारत की भौगोलिक विविधता – अन्य क्षेत्रों जैसे - अफगानिस्तान को जीतने की संभावना
4. ब्रिटेन का वैश्विक वर्चस्व
5. भारत में बेगार के लिए कामगारों की उपस्थिति एवं गुलाम बनाना

(+) रेल संचार का विकास
(-)

आर्थिक संरचना पर प्रभाव -

1. दादाभाई नौरोजी के अनुसार -
- पॉवर्टी एवं अनब्रिटिश रूल इन इंडिया -
- भारत की सम्पत्ति ब्रिटेन में ड्रेन हो रही है।

2. भारत के लघु उद्योगों का विनाश -
- कम कीमत में ब्रिटेन द्वारा आयात एवं अधिक कीमत में निर्यात
- लघु उद्योग, मशीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाये

3. खाद्यान्न की जगह नील का उत्पादन -
- खाद्यान्न की कमी
- लगान अधिक

कृषि का व्यवसायीकरण

4. रेल का विकास -
- विस्तृत क्षेत्र तक अंग्रेजों की पहुंच
- अधिक शोषण

5/15

अतः अंग्रेजो ने भारत के लघु व कुटीर उद्योगो का विनाश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी किन्तु KVIC द्वारा इन्हें पुनः उद्धार किया जा रहा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

15. "उभरती प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग इस्पात उद्योग को अधिक दक्ष बनाएगा।" टिप्पणी कीजिये।

उ०

इस्पात उद्योग लौह व कोयले पर आधारित उद्योग है जिसे किसी देश की औद्योगीकरण का मापक माना जाता है।

इस्पात के उपयोग :-

- एयरोप्लेन, ट्रेन आदि परिवहन साधनों में
- विद्युत के संचार हेतु
- घरेलू सामान जैसे- बर्तन आदि के निर्माण में
- संक्षारक के रूप में
- आधारभूत ढांचा निर्माण में

अनावश्यक विस्तार

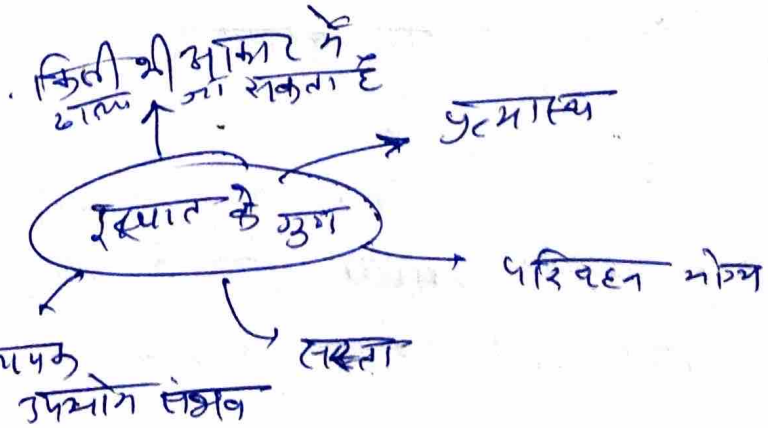

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इस्पात में प्रौद्योगिकी का उपयोग -

1) कोयले व लौह के निष्कर्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग → Robot, AI, ड्रोन आदि का प्रयोग

2) लोहा + कोयला (कोकिंग) → भूरा लोहा
↓ + मैंगनीज
इस्पात

3) बुनियादी ढाँचा निर्माण में इस्पात का अधिक उपयोग

4) विद्युत दक्ष व पर्यावरणीय रूप से कम उत्सर्जन संभव

5) आधुनिक मशीनीकृत अत: न्यून कीमत पर उपलब्धता

4/15

मॉडल उत्तर देखें

अत: इस्पात उद्योग पूर्वी भारत के लिए एक विकास का अति महत्वपूर्ण स्रोत है।

भारत ने मिशन पूर्वोदय भी स्टील सेक्टर के लिए चलाया है।

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

16 'वित्तीय स्थिति के अतिरिक्त कई अन्य कारक हैं जो किसी राष्ट्र की निर्धनता को निर्धारित करते हैं।' इस संदर्भ में भारत में बहु-आयामी निर्धनता के विषय में चर्चा करते हुए उन कारणों को स्पष्ट कीजिये जिस कारण अनेक प्रयासों के बावजूद भारत निर्धनता को कम करने में अक्षम रहा है।

उ.

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक - WEF द्वारा

UNDP

भारत की रैंक - 129

(1/3 प्रत्येक)

शिक्षा
1. स्कूली शिक्षा के वर्ष
2. स्कूल में उपस्थिति

स्वास्थ्य
1. पोषण
2. मातृ मृत्यु दर

जीवन स्तर
1. ईंधन
2. पेयजल
3. आवास
4. विद्युत
5. स्वच्छता
6. परिसम्पत्ति

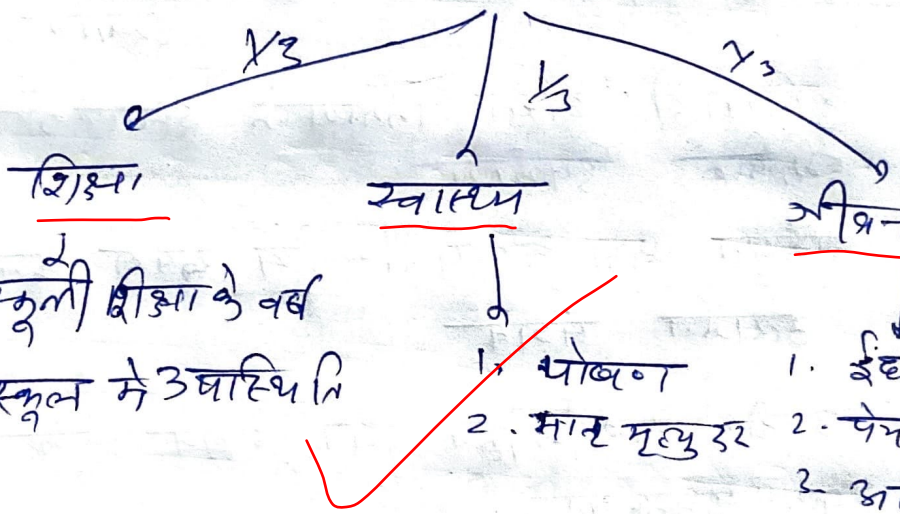

भारत में NITI आयोग द्वारा भी MPI - भारत जारी किया जाता है जिसमें संकेतक - स्वास्थ्य व जीवन स्तर के सूक्ष्म परिवर्तन किया गया है -

जीवन स्तर — बैंक खाते की उपलब्धता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत में निर्धनता के कारण —

1. अत्याधिक जनसंख्या
2. असमानित क्षेत्रीय विकास
3. डिजीटल खाई
4. शिक्षा तक सभी की पहुँच नहीं
5. कुपोषण एवं खाद्यान्न अनुपलब्धता
6. COVID - 19
7. रूस व यूक्रेन युद्ध का प्रभाव
8. शरणार्थी समस्या

→ जलवायु परिवर्तन
↳ निर्धनता का भाव

सरकार द्वारा प्रयास —

① स्वास्थ्य — जननी सुरक्षा योजना
PM - मातृ वंदन योजना

② शिक्षा - शिक्षा का अधिकार अधि.
समग्र शिक्षा अभियान

③ जीवन स्तर - प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
हर घर जल
PM - आवास योजना
सौभाग्य योजना

PDS, PMKVY, PM स्वनिधि आदि

5/15

भारत को आर्थिक क्षेत्रीय योजनाओं पर ध्यान देकर प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि MPI को कम किया जा सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(7) 'भारत जैसे विविध सामाजिक संरचना वाले समाज के लिये जहाँ एक ओर सकारात्मक क्षेत्रवाद एक वरदान है, वही दूसरी ओर इसका अतिवादी प्रसार 'विविधता में एकता' के ताने-बाने को खतरे में डालता है।' टिप्पणी कीजिए।

उ॰

क्षेत्रवाद से आशय अपने क्षेत्र के प्रति स्वयं से आस्था में वृद्धि। कई बार यह आस्था, राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध हो जाती है अतः यह खतरनाक क्षेत्र राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए खतरा साबित होती है।

विविधता में एकता → Heading का सही प्रयोग करें

क्षेत्रवाद के फायदे

(1) भारत में विभिन्न भौगोलिक, सांस्कृतिक क्षेत्र

(2) क्षेत्र के लोगों के आपसी भ्रातृत्व एवं संगठन

(3) क्षेत्र का विकास

(4) जनभागीदारी संभव

(5) नौकरशाही पर जवाबदेहिता सुनिश्चित

(6) क्षेत्रीय मुद्दों का समाधान

खतरा –

1) राष्ट्रीय हितों अथवा मुद्दों पर क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता

2) अलगाववाद की भावना → उग्रवाद
उल्फा
NSCN

3) देश की सम्प्रभुता व एकता - अखण्डता के लिए खतरा

4) पड़ोसी राज्यों से मतभेद जैसे - कर्नाटक - महाराष्ट्र → वोट बैंक की राजनीति

5) अन्य राज्य के लोगों का उपेक्षा वर्जित जैसे - महाराष्ट्र में बिहार के लोगों का विरोध

6) अन्य राज्यों द्वारा भी ऐसी ही माँग

अतः जहाँ एक ओर क्षेत्रवाद विविधता में एकता को प्रोत्साहित करता है वहीं दूसरी ओर इसकी अधिकता देश के ताने-बाने को समाप्त कर सकती है जिसके लिए क्षेत्रीय परिषद व अन्तर्राज्यीय परिषदों तथा सहकारी संघवाद को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष सुझावात्मक है।

5.5/15

UPSC

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

18 "जातिगत जनगणना नव- सामाजिक न्याय को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

उ. जातिगत जनगणना से आशय किसी क्षेत्र में रह रहे लोगों की जाति के आधार पर गणना करने से है। इसके लिए हाल में अधिक राजनीतिक चर्चाएं चल रही हैं।

↳ बिहार का जिक्र करे

जातिगत जनगणना के लाभ -

1. जाति आधारित जनसंख्या का अनुमान
2. जाति आधारित नीति-निर्माण में सहायता
जैसे - SC/ST समुदायों के लिए
3. जाति आधारित क्षेत्रों जैसे- अनुसूचित क्षेत्रों की पहचान आसान
4. जाति आधारित मैपिंग करने से — हिंसा की रोकथाम एवं सुभेद्य क्षेत्रों के पहचानने में आसानी
5. जाति आधारित क्षेत्रों में नीतियों का अनुकूलतम तरीके से परिवर्तन संभव

↳ प्रभावी प्रशासन रणनीति

Repeat

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

जातिगत जनगणना के हानियां -

1) राजनीतिक रूप से अनुचित प्रयोग संभव

2) लोगों की निजता पर खतरा → आँकड़ों की सत्यता।

3) सरकार द्वारा वोट बैंक के लिए कार्य

4) सम्भावित रूप से अधी क्षेत्र पर अधिक या कम खर्च करना

5) लोगों द्वारा अपनी जाति बताने के हिचक - क्रियान्वयन में समस्या

नव सामाजिक न्याय के भूमिका -

- सामाजिक न्याय की डेटा आधार पर सुनिश्चितता
- SC/ST क्षेत्र के लोगों के विकास की गतिविधियां
- प्रभावी मूल्यांकन एवं फीडबैक प्रणाली

अतः जहाँ एक ओर जातिगत जनगणना सामाजिक खतरों को जन्म देती है वहीं सामाजिक न्याय का साधन भी है जिससे हमें निम्न स्तर के लोगों का सशक्तिकरण करने में सहायता मिलेगी।

5/15

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(19) समय के साथ भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश के समुचित उपयोग के अवसर धीरे-2 कम होते जा रहे हैं। भारत में युवाओं की रोजगार संभावनाओं को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए तथा इससे संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु उपायों की चर्चा कीजिए।

30

भारत जनांकिकी लाभांश के दौर से गुजर रहा है जहाँ हमारी औसत आयु 28 वर्ष है जिसका उपयोग विकास का अप्रतिम उदाहरण पेश करने में किया जा सकता है।

जनांकिकीय लाभांश के कम होते अवसर

- रोजगार विहीन वृद्धि
- क्षेत्रीय असमानताएँ
- महिला-पुरुष विभेद
- तेजी से बढ़ती वृद्ध जनसंख्या
- स्पष्ट नीति का अभाव → MSME क्षेत्र का कम विकास → दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली

प्रभावित करने वाले कारक -

1. अनियमित वृद्धि
2. अकुशल जनसंख्या
3. कौशल के आधार पर रोजगार नहीं
4. सामाजिक कारक - पितृसत्तात्मकता
   - कृषि की अधिकता
5. राजनीतिक कारक - कानून का अभाव
   - नीतियों में अस्पष्टता
6. विकास की असमान प्रक्रिया

Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on th margin.

(समस्याएँ)

1. सरकारी नौकरी एकमात्र विकल्प
2. कौशल की अनुपलब्धता
3. शिक्षा व्यवस्था में प्रयोगात्मकता की कमी
4. वोकेशनल प्रशिक्षण का अभाव
5. असंगठित कार्यों की अधिकता
6. तेजी से बदलती तकनीक -
   जैसे - गिग इकोनॉमी, AI

समाधान हेतु उपाय -

1. स्पष्ट कानून व नीति की आवश्यकता
   जैसे - राजस्थान में गिग वर्कर्स के लिए कानून
2. अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण
3. शिक्षा में कौशल को अधिक महत्व -
   - जैसे नई शिक्षा नीति 2020
   वोकेशनल प्रशिक्षण पर जोर
4. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
   जैसे - स्टार्ट अप इंडिया
   स्टैंड अप इंडिया

भारत विश्व का सबसे युवा देश है जिसे राजनीतिक - सामाजिक व आर्थिक रूप से उपयोग करके भारत विश्व गुरु बन सकता है।

6/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parentheses.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

20

भारत में कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से है? इस प्रवृत्ति को विपरीत करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्या सुझाव दिये जा सकते हैं?

उ. भारत में सीमित तेल क्षेत्र है जैसे - KG बेसिन, डिग्बोई, बम्बई हाई आदि किन्तु तकनीक के अभाव एवं पर्यावरणीय प्रभाव से इस पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत अपनी तेल आवश्यकता का अत्यधिक भाग आयात करता है। ~87%

उत्पादन में गिरावट के लिए उत्तरदायी कारक -

1. तकनीक में कमी
2. सीमित संसाधन
3. अत्यधिक खर्चीला उत्पादन
4. पर्यावरण प्रभाव अत्यधिक

→ निजी क्षेत्र की कम भागीदारी आदि

उत्तर में और विविधता लायें

उत्पादन में वृद्धि के लिए सुझाव -

1) नवीनतम तकनीकों का उपयोग
2) वैश्विक साझेदारी जैसे UAE - भारत
3) रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व का समुचित उपयोग

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4) अन्य क्षेत्रों में भी तेल खोज को प्रोत्साहन

5) अनुसंधान व विकास प्रक्रिया (R&D)

6) निजी क्षेत्रों को प्रोत्साहन

7) विदेशी निवेश

धरेलू उत्पादकता से लाभ –

1) ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चितता

2) रोजगार में वृद्धि

3) आयात पर निर्भरता समाप्त एवं आयात बिल में कमी

4) फोरेक्स रिजर्व में वृद्धि

5) वैश्विक संकटों का न्यूनतम प्रभाव

6) ऊर्जा में आत्मनिर्भरता

चूँकि भारत अन्य देशों पर अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्भर करता है अतः भारत को आवश्यकता है कि वह सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि क्षेत्रों में काम करते हुए विश्व का नेतृत्वकर्ता बन सकता है।

उत्पादन बढ़ाने के उपाय दें

5.5/15